



Mr.megha

09 Aug 2003

01:30 AM

Motihari

Model: web-freekundliweb

Order No: 121784010

लिंग \_\_\_\_\_: स्त्रीलिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 8-09/08/2003  
दिन \_\_\_\_\_: शुक-शनिवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 01:30:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 50:29:00 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Motihari  
राज्य \_\_\_\_\_: Bihar  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 26:40:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 84:55:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: 00:09:40 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 01:39:40 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:05:43 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 22:47:20 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 05:18:23 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:33:10 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 13:14:47 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: दक्षिणायन  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: उत्तर  
ऋतु \_\_\_\_\_: वर्षा  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 21:57:30 कर्क  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 00:54:14 मिथुन

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: मिथुन - बुध  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: धनु - गुरु  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: मूल - 3  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: केतु  
योग \_\_\_\_\_: विष्कुम्भ  
करण \_\_\_\_\_: बव  
गण \_\_\_\_\_: राक्षस  
योनि \_\_\_\_\_: श्वान  
नाड़ी \_\_\_\_\_: आद्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: क्षत्रिय  
वश्य \_\_\_\_\_: मानव  
वर्ग \_\_\_\_\_: मूषक  
युँजा \_\_\_\_\_: अन्त्य  
हंसक \_\_\_\_\_: अग्नि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: भा-भावना  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: ताम्र - ताम्र  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: सिंह

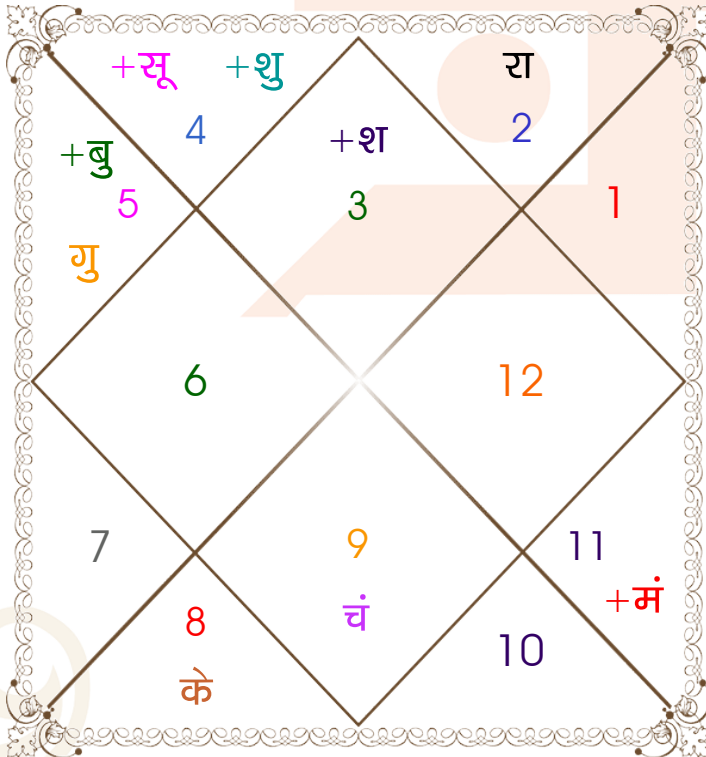
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	00:54:14	338:52:52	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			कर्क	21:57:30	00:57:30	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			धनु	08:25:36	14:07:03	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
मंगल	व		कुंभ	15:30:36	00:08:01	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध			सिंह	18:36:45	01:11:52	पूर्वाषाढा	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
गुरु	अ		सिंह	02:03:20	00:12:59	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र	अ		कर्क	19:13:25	01:14:03	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	शत्रु राशि
शनि			मिथु	14:21:37	00:06:44	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
राहु	व		वृष	02:15:52	00:04:51	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	02:15:52	00:04:51	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	07:32:51	00:02:16	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप	व		मक	17:46:05	00:01:38	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	23:26:22	00:00:38	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			कुंभ	16:24:38	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

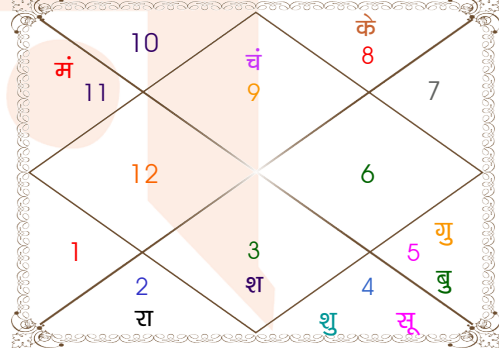
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:14

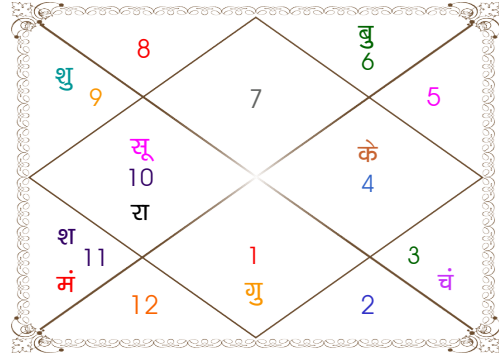
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 6 मास 27 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
09/08/2003	06/03/2006	06/03/2026	06/03/2032	06/03/2042
06/03/2006	06/03/2026	06/03/2032	06/03/2042	06/03/2049
00/00/0000	शुक्र 06/07/2009	सूर्य 24/06/2026	चंद्र 04/01/2033	मंगल 03/08/2042
00/00/0000	सूर्य 06/07/2010	चंद्र 24/12/2026	मंगल 05/08/2033	राहु 21/08/2043
00/00/0000	चंद्र 06/03/2012	मंगल 30/04/2027	राहु 04/02/2035	गुरु 27/07/2044
00/00/0000	मंगल 06/05/2013	राहु 24/03/2028	गुरु 05/06/2036	शनि 05/09/2045
00/00/0000	राहु 06/05/2016	गुरु 10/01/2029	शनि 05/01/2038	बुध 02/09/2046
09/08/2003	गुरु 05/01/2019	शनि 23/12/2029	बुध 06/06/2039	केतु 29/01/2047
गुरु 29/01/2004	शनि 06/03/2022	बुध 30/10/2030	केतु 05/01/2040	शुक्र 30/03/2048
शनि 09/03/2005	बुध 04/01/2025	केतु 07/03/2031	शुक्र 05/09/2041	सूर्य 05/08/2048
बुध 06/03/2006	केतु 06/03/2026	शुक्र 06/03/2032	सूर्य 06/03/2042	चंद्र 06/03/2049

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
06/03/2049	07/03/2067	07/03/2083	07/03/2102	08/03/2119
07/03/2067	07/03/2083	07/03/2102	08/03/2119	00/00/0000
राहु 17/11/2051	गुरु 24/04/2069	शनि 09/03/2086	बुध 03/08/2104	केतु 04/08/2119
गुरु 12/04/2054	शनि 05/11/2071	बुध 17/11/2088	केतु 31/07/2105	शुक्र 03/10/2120
शनि 16/02/2057	बुध 10/02/2074	केतु 26/12/2089	शुक्र 31/05/2108	सूर्य 08/02/2121
बुध 05/09/2059	केतु 17/01/2075	शुक्र 25/02/2093	सूर्य 07/04/2109	चंद्र 09/09/2121
केतु 23/09/2060	शुक्र 17/09/2077	सूर्य 07/02/2094	चंद्र 06/09/2110	मंगल 05/02/2122
शुक्र 24/09/2063	सूर्य 06/07/2078	चंद्र 08/09/2095	मंगल 03/09/2111	राहु 24/02/2123
सूर्य 17/08/2064	चंद्र 05/11/2079	मंगल 17/10/2096	राहु 23/03/2114	गुरु 10/08/2123
चंद्र 16/02/2066	मंगल 11/10/2080	राहु 24/08/2099	गुरु 28/06/2116	00/00/0000
मंगल 07/03/2067	राहु 07/03/2083	गुरु 07/03/2102	शनि 08/03/2119	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 6 मा 29 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगी। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई की तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते हैं। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकती हैं।

आप लंबी आकृति की कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाली उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप पुरुष के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाती हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नहीं बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि चिह्न सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नहीं बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते हैं। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभाव्य हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूएन्जा,

कंठ रोग, स्त्री संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए, इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ट रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल है, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। जबकि इसके अतिरिक्त रंग काला, एवं लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।